RURAL SETTLEMENT

ग्रामीण अधिवास

LECTURE 1

डा. निसार अहमद

भूगोल बिभाग
राम चरित्र सिंह कॉलेज

Mobile No. : 9258408868
Email address: ahmednisaramu@gmail.com

अधिवास मानव निवास के मूल आधार हैं। मानव समूह जहाँ स्थायी वा अस्थायी रूप से घर बनाकर रहते हैं उन समूहों को मानव अधिवास कहते हैं। ये मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं-

1.स्थायी अधिवास

2.अस्थायी अधिवास

स्थायी अधिवास Permanent settlements

उन क्षेत्रों में मिलते हैं जहाँ भूमि समतल होने के साथ-साथ उपजाऊ हो, जल प्राप्ति की सुविधा हो, मानवजीवन सुरक्षित हो, मानव के आकर्षण के लिए कोई तथ्य या संसाधन वहाँ मिलता हो और वहाँ आवागमन के लिए तथा सम्पर्क स्थापित करने के लिए मार्गों की सुविधा प्राप्त हो। सामान्यतः भूमध्यसागरीय मानसूनी एवं शीतोष्ण प्रदेशों में ही अधिकांश बस्तियाँ स्थायी रूप लिए होती हैं।

अस्थायी अधिवास Temporary Settlements

शिकारी, चरवाहे अथवा प्राचीन ढंग से खेती करने वाले कृषकों अथवा जहाँ पशुपालन ऋतुओं के अनुसार ऊँचे पहाड़ी भागों में किया जाता है या घाटियों में स्थानान्तरण होता रहता है। (जैसे आल्पस, हिमालय पर्वतीय घाटियों में), ऐसे क्षेत्रों में मुख्य रूप से अस्थायी अधिवास पाए जाते हैं।

स्थायी अधिवास के अनेक रूप देखने को मिलते हैं : बिखरे हुए घर, कृषक घर, पुरवा, गाँव, कस्वा और नगर। दूसरे शब्दों में, इनमें से कुछ को ग्रामीण अधिवास और अन्य को नगरीय अधिवास कहते हैं। सभ्यता के विकास के साथ-साथ इनके प्रतिरूप एवं प्रारूप में निरन्तर परिवर्तन व विकास या ह्रास होता रहता है। इतना निश्चित है कि विकसित सभ्यता नगरों की ओर आकर्षित होकर उन पर आश्रित रहती है एवं परम्परागत समाज का विकास ग्राम्यांचल में ही विकसित हो पाता है।

ग्रामीण अधिवास (Rural settlements) में सामान्यतः एकाकी अधिवास, कृषक घर, पुरवा और गाँव आते हैं। ग्रामीण अधिवास से तात्पर्य उस अधिवास से होता है, जिनके अधिकांश निवासी अपने जीवनयापन के लिए भूमि के विदोहन पर निर्भर करते हैं, अर्थात्

इनके निवासियों के मुख्य उद्यम, कृषि करना, पशुपालन, कुटीर उद्यम, मछलियाँ पकड़ना, लकड़ियाँ काटना, वन वस्तु संग्रह, आदि हैं। इनका जीवन एक प्रकार से ग्रामीण स्वरूप लिए होता है, किन्तु इनकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इन बस्तियों में वे लोग भी रहते हैं जो कृषकों और कृषक श्रमिकों की अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

गाँवों की जनसंख्या कुछ ही घरों से लेकर 5,000 अथवा कभी-कभी इससे भी अधिक हो सकती है।

पुरवे (hamlets) गाँव से छोटे होते हैं और गाँव की अपेक्षा कम सघन होते हैं। इनमें मकान होते हैं और ये प्रायः बिखरे होते हैं। दुकान, स्कूल अथवा मन्दिर भी नहीं होते।

इसके विपरीत नगरीय अधिवास (Urban Settlements) में कस्बे, नगर और महानगर सम्मिलित किए जाते हैं। इन अधिवासों की विशेषता यह है कि इनमें गैरकृषि उद्योग अधिक किए जाते हैं, अनेक प्रकार की उद्योग, संचारतन्त्र परिवहन के साधनों का विकास, आदि भी पाए जाते हैं।

ग्रामीण अधिवासों के प्रकार या वर्गीकरण Types or Classification Rural Settlements

मानव अधिवासी का सामान्य वर्गीकरण उनकी स्थिति, प्रकार, स्वरूप, प्रतिरूप, भौतिक वातावरण, आर्थिक एवं सामाजिक और सांस्कृतिक-तकनीकी तथ्यों के आधार पर दो भागों में किया जाता है-

1.सामूहिक या सघन ग्रामीण बस्तियां Collective or Compact settlements

2.प्रविकीर्ण या बिखरी हुई ग्रामीण बस्तियां scattered Rural Settlements

सघन ग्रामीण अधिवास- सामान्यतः उन क्षेत्रों में मिलते हैं जहाँ मनुष्य सामाजिक दृष्टि से अपने पूरे समाज के साथ मिलकर रहना पसन्द करता है। विश्व की सर्वाधिक सघन बस्तियाँ नदियों के उपजाऊ मैदानों में मिलती हैं। यहाँ समतल भूमि, उपजाऊ मिट्टियाँ, पर्याप्त जल प्राप्ति, कृषि से स्थायी भरणपोषण,

पशुपालन, यातायात के पर्याप्त साधन, शान्ति आदि कारक सघन बस्तियों के बसने के लिए उत्तरदायी हैं। चीन के ह्वांगहो, भारत के गंगायमुना दोआबमिस्त्र में नील घाटी, यूरोप में राइन, रूर, पो घाटी, वोल्गा, मिसीसिपी-मिसौरी घाटी (U.S.A.) की बस्तियाँ सघन बस्तियों के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

TO BE CONTINUED…